ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी(व्याकरण)

दिनांक—16/09/2020   अलंकार

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

कल की कक्षा में आपने, अलंकार के बारे में जाना। अलंकार के भेद के बारे में जाना ,उपभेद के बारे में जाना। परंतु हमें, इस कक्षा में मुख्य रूप से अलंकार के जिन भेदों को पढ़ना है उनकी सूची इस प्रकार है-

*अलंकार

*अलंकार के भेद-

1. शब्दालंकार
2. अर्थालंकार

*अलंकार के भेदों के उपभेद

1.शब्दालंकार—

(I)अनुप्रास अलंकार

(II)यमक अलंकार

(III)श्लेष अलंकार

2.अर्थालंकार ---

(i) उपमा अलंकार

(ii)रूपक अलंकार

(iii)उत्प्रेक्षा अलंकार

(IV)अतिशयोक्ति अलंकार

(V)मानवीकरण अलंकार

***अलंकार –**

काव्यों की सुंदरता बढ़ाने वाले यंत्रों को ही अलंकार कहते हैं। जिस प्रकार मनुष्य, अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए विभिन्न आभूषणों का प्रयोग करते हैं, उसी तरह काव्यों की सुंदरता बढ़ाने के लिए अलंकारों का उपयोग किया जाता है।

जैसे- लाली मेरे लाल की जित देखौं तित लाल ।

लाली देखन मैं गई मैं भी हो गई लाल ।।

1.शब्दालंकार—

जो अलंकार शब्दों के माध्यम से काव्यों को अलंकृत करते हैं, वे शब्दालंकार कहलाते हैं।

शब्दालंकार के भेद—

(I) **अनुप्रास अलंकार –**

जब किसी काव्य को सुंदर बनाने के लिए किसी वर्ण की बार-बार आवृति हो तो वह अनुप्रास अलंकार कहलाता है। जैसे ;

(क) मधुर मधुर मुस्कान मनोहर , मनुज वेश का उजियाला।

उपर्युक्त उदाहरण में 'म' वर्ण की आवृति हो रही है, एवं हम जानते हैं कि जब किसी वाक्य में किसी वर्ण या व्यंजन की एक से अधिक बार आवृति होती है, तब वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।

(ख) चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रही थी जल थल में ।

ऊपर दिये गए उदाहरण में 'च' वर्ण की आवृति हो रही है।

(ग) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।

ऊपर दिए गए उदाहरण में 'त' वर्ण की आवृत्ति हो रही है।

क्रमशः

छात्र कार्य-

दी गई पाठ्य सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”